अधिक दोषी उनको मानते हुए उन पर भी कार्यवाही हो रही है ।

कुमारी चन्द्रिका प्रेमजी केनिया : सी०बी०आई० इन्क्वायरी में वे हैं ?

श्री नितिश कुमार : जी हां, सी०बी० आई० इन्क्वायरी में है । अशोक लेमिनेटर्स के खड़किया जो हैं, उनका नाम एफ आई०आर० में है, प्राइमा फेसी केस उन पर बना है ।

कुमारी चन्द्रिका प्रेमजी केनिया : बाकी नाम बता दीजिए ।

श्री राम अवधेश सिंह : नाम बताने से क्यों डरते हैं ?

श्री नितिश कुमार : मिस्टर खड़किया, बताया न ।

श्री राम अवधेश सिंह: यह तो एक का नाम बताया है, आपके अनुसार ऐसे तो कई आदमी हैं ।

श्री नितिश कुमार : एक मुरलीधर रतन लाल एक्सपोर्टर कलकत्ता के हैं, ऐसे कई हैं, 40–45 हैं जिन्होंने सप्लाई किया ।

श्री सभापति : ये 40–45 की खबर इनके पास भेज दीजिएगा ।

श्री नितिश कुमार : जी हां, सूचना बाद में दे सकते हैं ।

*342. [*The questioner* (*Dr. Jinender Kumar Jain*) *was absent. For answer* vide *cols.*34-35 infra]

पादप ऊतक संवर्धन तकनीक द्वारा नई किस्मों का विकास

343. **डा० एन० तुलसी रेड्डी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पादप ऊतक संवर्धन तकनीक द्वारा मुख्य फसलों विशेषतः चावल, गेहूं, दालों तथा तिलहनों के क्षेत्र में अब तक विकसित की गई किस्मों की संख्या कितनी है ;

(ख) क्या ये किस्में पारंपरिक तकनीक द्वारा विकसित ज्यादा पैदावार देने वाली दूसरी किस्मों से बढ़िया है ; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान ऊतक संवर्धन अनुसंधान द्वारा इन किस्मों को विकसित किये जाने पर कितनी राशि खर्च की गई और उसके क्या परिणाम निकले ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री नितिश कुमार) : (क) महोदय, अभी तक पौध टिशू कल्चर (ऊतक संवर्धन) तकनीक के द्वारा चावल, गेहूं, दालों तथा तिलहनों की कोई किस्म रिलीज नहीं की गयी है ;

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

DR. NARREDDY THULASI REDDY : Sir, in the question itsefl I asked how much money has been spent on the Plant Tissue culture technique during the last three years. This question has not been answered. Anyhow, though my first supplementary I am asking this question again. How much money has been spent on the Plant Tissue culture techniue and the conventional technique during the last three years and what is the budget allocation for these two techniques in the current financial year?

श्री नितिश कुमार : सभापति महोदय, यह टिश्यू कल्चर बायो टेक्नोलोजी का ही एक पार्ट है और बायो टेक्नोलोजी सेक्शन ने इस पर जो काम शुरू किया है, पिछले तीन साल नहीं, लेकिन 1989 में इस पर एलोकेशन

हुआ है । इस क्षेत्र में चावल पर जो काम हो रहा है, उसमें 61.01 लाख, सरसों पर 42.19 लाख, चने पर 56.77 लाख और कुल मिलाकर 159.97 लाख का एलोकेशन हुआ है ।

DR. NARREDDY THULASI REDDY: Sir, my second supplementary is this. At the field level, the farmers are growing the varieties of crops which are developed through conventional techniques and not the varieties which are de eloped through Plant Tissue culture techniques. At the laboratory level, the scientists working on conventional research techniques are suffering due to lack of funds. On the other hand, the scientists working on Plant Tissue culture techniques are overloaded with funds. These funds are mainly used for the foreign tours of the scientists and are not at all used for the benefit of the farmers. Under these circumstances I would like to know whether the Government is going to review its agricultural research policy.

श्री नितिश कुमार : सभापति महोदय, मैंने पहले ही बताया कि टिश्यू कल्चर बायोटेक्नोलोजी का ही यह एक पार्ट है और इसमें काफी रिसर्च-वर्क चल रहा है । इसमें पैसे का सद्‌प्रयोग हो रहा है । अभी कोई नई वेरायटी नहीं निकल पाई है, लेकिन जो इन्होंने पूछा था विशेष रूप से चावल, गेहूं दाल और तिलहन के बारे में, यह उसका जवाब है । दूसरी फसलों में भी काफी तरक्की हुई है, जैसे गन्ने के मामले में है कि मोइज इक वाइरस रहित किस्म इसमें विकसित हुई है । ऐसे मोटी इलायची में हुआ, ऑइल पॉम में हुआ । इस प्रकार से कई क्षेत्रों में इससे अच्छा लाभ हुआ है ।

श्री विठ्ठलराव माधव राव जाधव : सभापति महोदय, यह जो बायो टेक्नोलोजिकल इंट्रोडक्शन है एग्रीकल्चर में, यह इस देश में बहुत ही थोड़े दिन पहले शुरू हुई है, लेकिन सारी दुनिया में इंटरनेशनल रिसर्च जो चल रहा है वह बॉयो-टेक्नोलीजी पर चल रहा है । शायद मंत्री महोदय जानते हैं या नहीं, हमारे देश में भी शिमला में पोटोटो पर बहुत बड़ा टिस्यू कल्चर का रिसर्च-वर्क चल रहा है, जो मैंने देखा है । तो मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि हमारे देश में जितने भी कृषि-विश्वविद्यालय हैं, एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज हैं और जैसा हमारे डा० तुलसी रेड्डी साहब ने जो क्रोप्स दी है, वे देश की अहम क्रोप्स राइस है, उसके बाद ह्वीट है, पल्सेजस हैं, सीरियल्स है, ये इम्पॉरटैंट क्राप्स है । तो क्या आप अपने कृषि विश्वविद्यालय को यह संकेत देंगे कि टिश्यू कल्चर का संशोधन बड़े पैमाने पर करें जिससे हम क्रापवेस्ट एण्ड डिजीजेज को बड़े पैमाने पर कंट्रोल कर सकते हैं । सरकार के पास कोई ऐसी योजना है और इसके लिए कितनी धनराशि सरकार उसको देना चाहती है ? आपका उसके बारे में क्या प्रोग्राम है ? अगर नहीं है तो 8वीं पंचवर्षीय योजना में आप कुछ करने जा रहे हैं क्या ?

श्री नितिश कुमार : सभापति महोदय, मैंने पहले ही बता दिया कि इस पर फण्ड एलोकेटिड है और काम चल रहा है स्टेट एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज में और अन्य सैंटर्स में इस पर बायोटेक्नोलौजी पर काम चल रहा है और प्रगति है । अभी नई किस्में इन क्षेत्रों में नहीं निकल पाई हैं, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि नई किस्में नहीं निकल पाएंगी और जब 7वीं पंचवर्षीय योजना में इतना पैसा दिया गया है तो 8वीं पंचवर्षीय योजना में भी इस पर एलोकेशन और डेवलपमेंट का काम इस क्षेत्र में होगा ।

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : मैं टिश्यू कल्चर के बारे में पूछ रहा हूं । जेनेटिक्स प्लांट ब्रीडिंग या जो फिजियोलॉजी, यह जो एग्रीकल्चरल सब्जेक्ट्स हैं, इनमें काफी संशोधन हो रहा है, मगर यह टीश्यू कल्चर बहुत इम्पोरटैंट बात है, उसके बारे में आप विश्वविद्यालय को संकेत देने वाले हैं या नहीं ?

श्री नितिश कुमार : यह तो स्पष्ट है टीश्यू कल्चर उसका पार्ट है । टीश्यू कल्चर में भी एलोकेशन किया जा रहा है और उसके लिए भी अलग से सब कुछ अनुसंधान के कार्य चल रहे हैं ।

SHRI P.K. KUNJACHEN: Sir, tissue culture technique is a new branch of development. When new research is being conducted, it is very difficult to get results immediately. But at the same time this research is a must and it has to be developed. So, considering the importance of this matter, whatever result is achieved so far, it should be brought into the field of agriculture. So, I want to know whether the Government will take the initiative to continue the research and also see that it is made applicable in the field. It should not remain in the universities alone. Then it will not be giving any result. It should be brought to the field. For that, the Government should take action. It should be co-related. I want to know whether the Government will take action in this regard.

श्री नितिश कुमार : सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने ठीक फरमाया है । सरकार यही चाहती है और यही कर रही है ।

श्री छोटू भाई पटेल : सर, ट्रांसफर ऑफ टैक्नोलॉजी फारमर्स में सरक्यूलेट होती है या नहीं होती है या कम होती है, तो इसके बारे में सरकार क्या कार्रवाई करना चाहती है?

श्री नितिश कुमार : ट्रांसफर आफ टैक्नोलोजी के बहुत से कार्यक्रम चल रहे हैं इस देश में । कृषि विज्ञान केन्द्र है या लैब टू लैंड प्रोग्राम है—कई प्रोग्राम चलते हैं जिससे कि जो एक्चुअल रिसर्च से एचीवमेंट होता है उसको जमीन पर उतारा जा सके । ऑन फार्म डेमोन्स्ट्रेशन होता है, एडॉप्टिव डेमोन्स्ट्रेशन होता है, ऑपरेशनल डेमोन्स्ट्रेशन होता है, ये सारे कार्यक्रम कृषि विभाग के विभिन्न महकमों के द्वारा चलाए जाते हैं ।

SHRI J. S. RAJU: Mr. Chairman, Sir, I want to know whether this plant tissue culture has been initiated in Tamil Nadu and if not, why not.

श्री नितिश कुमार : तमिलनाडु के बारे में मैं इनको अलग से सूचना दे दूंगा कि क्या एक स्टेट की प्रगति है । यह सभी जगहों को मिलाकर के सूचना दी है ।

MR. CHAIRMAN : Question No. 344.

Excessive payments for purchase of electrical equipment by the Eastern Railway

*344. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:
SHRI PRAMOD MAHAJAN†

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether in the second week of April last several places in Bihar and Calcutta were raided and documents were seized, which established that excessive payments of crores of rupess were made to two or three 'favourite companies' by the Eastern Railway in the purchase of electrical equipment, generating large-scale kick-backs, as reported in the Indian Express, dated 13th April, 1990;

(b) if so, what are the facts and findings in this regard; and

(c) the names of the officials and suppliers involved in this case?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI AJAY SINGH): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the Sabha.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Pramod Mahajan.